कार्यक्रमः कला स्नातक (शिक्षा) – (बी.ए.एफ.ई.डी.यू.)

बी.ई.एस.सी.–101 शिक्षा : सम्प्रत्यय, प्रकृति एवं परिप्रेक्ष्य

अनुशिक्षक अंकित नियतकार्य

पाठ्यक्रम कोडः बी.ई.एस.सी.–101

नियतकार्य कोडः बी.ई.एस.सी.–101/टी.एम.ए./जनवरी और जुलाई 2026

कुल अंक : 100

तीन नियतकार्य हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। नियतकार्य प्रश्नों के कुल अंक 100 हैं।

नियतकार्य अ

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 500 शब्दों में) दीजिए।

1. शिक्षा के प्रत्येक प्रकार के उद्देश्यों के पक्ष और विपक्ष में शिक्षा के वैयक्तिक, सामाजिक और लोकतांत्रिक उद्देश्यों का उदाहरण देते हुए समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए। **20**
2. उच्च शिक्षा के ढाँचे के विशेष सन्दर्भ में उच्च शिक्षा पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी., 2020) की प्रमुख संस्तुतियों का वर्णन कीजिए। **20**

नियतकार्य ब

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 250 शब्दों में) दीजिए।

3. बच्चे के विकास और शिक्षा के लिए विद्यालय की उभरती हुई भूमिका का वर्णन कीजिए। **12**

4. सामाजिक परिवर्तन और सामाजिक गतिशीलता की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। **12**

5. भारत में समानता प्राप्त करने के लिए समता (निष्पक्षता–इक्विटी) किस प्रकार सहायता करती है? उपयुक्त उदाहरणों द्वारा व्याख्या कीजिए। **12**

6. शैक्षिक मनोविज्ञान की एक विधि के रूप में प्रयोग की, इसके गणों और सीमाओं के साथ परिचर्चा कीजिए। **12**

नियतकार्य स

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 125 शब्दों में) दीजिए।

7. सर्जनात्मकता के शैक्षिक निहितार्थों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। **6**

8. प्रयोजनवादी विचारधारा (प्रागमैटिक स्कूल ऑफ थॉट) के अनुसार शिक्षा की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। **6**

****

कार्यक्रमः कला स्नातक (शिक्षा) – (बी.ए.एफ.ई.डी.यू.)

बी.ई.एस.सी.–102 : शिक्षा की संरचना एवं प्रबन्धन

अनुशिक्षक अंकित नियतकार्य

पाठ्यक्रम कोडः बी.ई.एस.सी.–102

नियतकार्य कोडः बी.ई.एस.सी.–102/टी.एम.ए./जनवरी और जुलाई 2026

कुल अंक : 100

तीन नियतकार्य हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। नियतकार्य प्रश्नों के कुल अंक 100 हैं।

नियतकार्य अ

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 500 शब्दों में) दीजिए। (प्रत्येक के लिए 20 अंक)

1. भारत में शिक्षा की संरचना और प्रबन्धन को भारतीय संविधान किस प्रकार आकार प्रदान करता है? व्याख्या कीजिए। अपने उत्तर में किन्हीं तीन संवैधानिक प्रावधानों (उदाहरण के लिए–प्रस्तावना से मार्गनिर्देशिका सिद्धान्त, एक अधिकार के रूप में शिक्षा, केन्द्र–राज्य उत्तरदायित्व) की परिचर्चा कीजिए और नीति और शैक्षिक अभिशासन (एजूकेशनल गवर्नैन्स) के लिए उनके निहितार्थों की व्याख्या कीजिए।
2. भारतीय शिक्षा को आकार प्रदान करने में प्रमुख शैक्षिक आयोगों के योगदान का समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए। किन्हीं दो (उदाहरण के लिए विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग, माध्यमिक शिक्षा आयोग, शिक्षा आयोग/ कोठारी आयोग, राष्ट्रीय ज्ञान आयोग) की मूल

संस्तुतियों और सीमाओं की परिचर्चा कीजिए और परवर्ती शैक्षिक नीतियों को उनके विचारों ने किस हद तक प्रभावित किया? टिप्पणी कीजिए।

नियतकार्य ब

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 250 शब्दों में) दीजिए। (प्रत्येक के लिए 12 अंक)

3. किसी एक स्तर पर मूल प्रबन्धन/ शैक्षिक सरोकारों को उजागर करते हुए पूर्व प्राथमिक से माध्यमिक/ वरिष्ठ माध्यमिक तक भारत में विद्यालय शिक्षा संरचना पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
4. भारत में उच्च शिक्षा की मुख्य विशेषतायें और चुनौतियाँ कौन सी हैं? महाविद्यालय और विश्वविद्यालय शिक्षा का प्रबन्धन किस प्रकार किया जाता है और कहाँ पर प्रमुख अभिशासन मुद्दे सामने आते हैं? संक्षेप में व्याख्या कीजिए।
5. शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन के विचार की व्याख्या कीजिए और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए (उदाहरण के लिए एन.ए.ए.सी., एन.बी.ए., एन.आई.आर.एफ., क्यू.सी.आई.) भारत में प्रयोग किये जाने वाले किन्हीं दो तन्त्रों /अभिकरणों/ ढाँचों को उल्लेख कीजिए।
6. भारत में संस्थागत जवाबदेही और स्वायत्तता की परिचर्चा कीजिए। स्वायत्तता की माँग क्यों की जाती है और शैक्षणिक संस्थानों में किस प्रकार के जवाबदेही उपायों का सामान्यतया प्रयोग किया जाता है?

नियतकार्य स

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 125 शब्दों में) दीजिए। (प्रत्येक के लिए 6 अंक)

7. शिक्षा में वैश्वीकरण, अन्तर्राष्ट्रीयकरण और निजीकरण में अन्तर स्पष्ट कीजिए। भारतीय शिक्षा नीति / नियोजन पर प्रत्येक के एक–एक प्रभाव का उल्लेख कीजिए।
8. शैक्षिक प्रबन्धन में आई.सी.टी. की क्या भूमिका है? किन्हीं दो उपकरणों / प्रक्रियाओं (उदाहरण के लिए) ई–अभिशासन, एम.आई.एस./ई.आर.पी.) और संस्थागत प्रशासन में एक व्यवहारिक प्रयोग का उल्लेख कीजिए।

****

कार्यक्रमः कला स्नातक (शिक्षा) – (बी.ए.एफ.ई.डी.यू.)

बी.ई.एस.सी.–103 : पाठ्यचर्या, शिक्षण–अधिगम एवं आकलन

अनुशिक्षक अंकित नियतकार्य

पाठ्यक्रम कोडः बी.ई.एस.सी.–103

नियतकार्य कोडः बी.ई.एस.सी.–103 / जनवरी 2026 और जुलाई 2026

कुल अंक : 100

तीन नियतकार्य हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। नियतकार्य प्रश्नों के कुल अंक 100 हैं।

नियतकार्य अ

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 500 शब्दों में) दीजिए।

1. अधिगम वातावरण की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। विविध अधिगम वातावरणों के लाभ और हानियों की परिचर्चा कीजिए। **20**

2. मापन, आकलन और मूल्यांकन के अन्तर स्पष्ट कीजिए। शिक्षण, अधिगम और आकलन में सम्बन्ध की व्याख्या कीजिए। **20**

नियतकार्य ब

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 250 शब्दों में) दीजिए।

3. शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया के लिए आप उपयुक्त टी.एल.आर. की पहचान और चयन किस प्रकार कर सकते हैं ? **12**

4. अधिगम का आकलन और अधिगम के रूप में आकलन में शिक्षक की भूमिका का सविस्तार प्रतिपादन कीजिए। **12**

5. कक्षाकक्ष में विविध प्रकार की विविधताओं की व्याख्या कीजिए। **12**

6. संज्ञानात्मक और सह–संज्ञानात्मक (को–कॉग्निटिव) योग्यताओं में विभेद कीजिए। **12**

नियतकार्य स

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 125 शब्दों में) दीजिए।

7. माध्यम और विधि (मीडिया ऐन्ड मेथड) के मध्य अन्तःक्रिया को प्रणाली उपागम किस प्रकार निर्धारित करता है? एक उपयुक्त उदाहरण द्वारा व्याख्या कीजिए। **6**

8. अधिगम को प्रभावित करने वाले विविध कारकों की व्याख्या कीजिए। **6**

****

कार्यक्रमः कला स्नातक (शिक्षा) – (बी.ए.एफ.ई.डी.यू.)

बी.ई.एस.सी.–104 : अभ्यास के रूप में शिक्षा

अनुशिक्षक अंकित नियतकार्य

पाठ्यक्रम कोडः बी.ई.एस.सी.–104

नियतकार्य कोडः बी.ई.एस.सी.–104/जनवरी – जुलाई 2026

कुल अंक : 100

तीन नियतकार्य हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। नियतकार्य प्रश्नों के कुल अंक 100 हैं।

नियतकार्य अ

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 500 शब्दों में) दीजिए।

1. वैश्विक स्तर पर किये गये किन्हीं दो शैक्षिक नवाचारों की व्याख्या कीजिए। **(20)**

2. एक क्रियात्मक अनुसन्धान करने के लिए आधारभूत सोपानों/कदमों का उपयुक्त उदाहरणों द्वारा वर्णन कीजिए। **(20)**

नियतकार्य ब

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 250 शब्दों में) दीजिए।

3. निम्नलिखित आँकड़े के लिए माध्य, माध्यिका और बहुलक की गणना कीजिए। **(12)**

वर्ग अन्तराल	15–19	20–24	25–29	30–34	35–39	40–45	45–49
आवृत्ति/बारम्बारता	5	8	10	15	10	6	6

4. जवाहर नवोदय विद्यालयों (जे.एन.वी.) की स्थापना के लिए विस्तृत उद्देश्यों की परिचर्चा कीजिए। **(12)**

5. विद्यालयों में समावेशी शिक्षा प्रदान करने में आने वाले अवरोधों की व्याख्या कीजिए। **(12)**

6. मौलिक अनुसन्धान, अनुप्रयुक्त अनुसन्धान और क्रियात्मक अनुसन्धान में समानताओं और भिन्नताओं की परिचर्चा कीजिए। **(12)**

नियतकार्य स

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 125 शब्दों में) दीजिए।

7. समाजशास्त्र और शिक्षा के मध्य अन्तःसम्बन्ध का विश्लेषण कीजिए। **(6)**

8. प्राथमिक और द्वितीयक आँकड़ों में अन्तर स्पष्ट कीजिए। **(6)**

****

कार्यक्रमः कला स्नातक (शिक्षा) – (बी.ए.एफ.ई.डी.यू.)

बी.ई.एस.सी.–105 : शैक्षिक आकलन एवं मूल्यांकन

अनुशिक्षक अंकित नियतकार्य

पाठ्यक्रम कोडः बी.ई.एस.सी.–105

नियतकार्य कोडः बी.ई.एस.सी.–105/जुलाई 2026

कुल अंक : 100

तीन नियतकार्य हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। नियतकार्य प्रश्नों के कुल अंक 100 हैं।

नियतकार्य अ

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 500 शब्दों में) दीजिए।

1. अधिगम का आकलन (ए.ओ.एल.), अधिगम के लिए आकलन (ए.एफ.एल.) और अधिगम के रूप में आकलन (ए.ए.एल.) की अवधारणाओं में उपयुक्त उदाहरणों द्वारा अन्तर स्पष्ट कीजिए। **20**

2. एक परीक्षण की विश्वसनीयता की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। परीक्षण–पुनर्परीक्षण (टेस्ट–रिटेस्ट) और समान्तर रूप विधियों (पैरेलल–फार्म मेथड) का प्रयोग करते हुए एक परीक्षण की विश्वसनीयता का निर्धारण करने के लिए प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। **20**

नियतकार्य ब

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 250 शब्दों में) दीजिए।

3. अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (ए.बी.सी.) की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। **12**

4. मापन और मूल्यांकन की अवधारणा में अन्तर स्पष्ट कीजिए। **12**

5. बहु–प्रवेश और बहु–निर्गमन (एम.ई.एम.ई.) की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। **12**

6. संयुक्त माध्य/संयोजित माध्य (कम्बाइन्ड मीन) की अवधारणा की उपयुक्त उदाहरण द्वारा व्याख्या कीजिए। **12**

नियतकार्य स

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 125 शब्दों में) दीजिए।

7. माध्यिका (मीडियन) की सीमाओं को उजागर कीजिए। **6**

8. सामान्य सम्भाव्यता वक्र (एन.पी.सी.) की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। **6**

****

कार्यक्रमः कला स्नातक (बी. ए.) – (एफ. वाई. यू. पी.)

(माइनर–शिक्षा विषय)

बी.ई.एस.एम.–161 : शिक्षा को समझना

अनुशिक्षक अंकित नियतकार्य

पाठ्यक्रम कोडः बी.ई.एस.एम.–161

नियतकार्य कोडः बी.ई.एस.सी.–101/जनवरी और जुलाई 2026

कुल अंक : 100

तीन नियतकार्य हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। नियतकार्य प्रश्नों के कुल अंक 100 हैं।

नियतकार्य अ

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 500 शब्दों में) दीजिए।

1. अनौपचारिक, औपचारिक और निरौपचारिक/ गैर–औपचारिक शिक्षा जैसे विभिन्न अधिगम परिवेशों के दृष्टिकोण से शिक्षा के कार्यक्षेत्र की व्याख्या कीजिए। **20**

2. शिक्षा के उद्देश्यों, पाठ्यचर्या, शिक्षणशास्त्र और शिक्षकों की भूमिका के विशेष सन्दर्भ में श्री अरविन्द के शैक्षिक दर्शन की परिचर्चा कीजिए। **20**

नियतकार्य ब

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 250 शब्दों में) दीजिए।

3. सामाजिक परिवर्तन को प्रभावित करने वाले कारकों की उपयुक्त उदाहरणों द्वारा परिचर्चा कीजिए। **12**

4. बच्चे के सामाजीकरण के लिए एक अभिकरण के रूप में विद्यालय के प्रकार्यों का वर्णन कीजिए। **12**

5. शैक्षिक मनोविज्ञान की एक विधि के रूप में प्रयोगात्मक विधि की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। **12**

6. शिक्षा में समानता प्राप्त करने के लिए समता (निष्क्षता इक्विटी) किस प्रकार सहायता करती है? एक उपयुक्त उदाहरण द्वारा व्याख्या कीजिए। **12**

नियतकार्य स

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 125 शब्दों में) दीजिए।

7. परसंस्कृतीग्रहण (इनकल्चुरेशन) और परसंस्कृतीकरण (एक्कल्चुरेशन) में अन्तर स्पष्ट कीजिए। **6**

8. सामाजिक संरचनावाद (सोशल कंस्ट्रक्अिविज़म) के शैक्षिक निहितार्थों की परिचर्चा कीजिए। **6**

****